

भाषना से राणीनाम, धेरेला। वसवजये प्राप्ति अर्पण
प्रापनापत्र के आगे नदी-पलाना पास्ताये प्रापनापत्र
के वही स्तेज पर नोट-पत्र में रपादिज उरवे हट
निवेदन आ। प्राप्ति के निवेदन के स्वीकार आ
जाकर प्राप्तिज प्रापनापत्र नोट-पत्र में रपादिज
आजाता है * पत्र केसक आमार एंगर नरकर
से जुनघं - दारिक ५५५ ए।

सहायक कलक्टर (द्वितीय) सीकर